समाचार वाणी
ख़बर जो करें असर !

नाशिक | Thursday, 24 September 2026

“पीओके कभी न कभी भारत से खुद जुड़ जाएगा” – राजनाथ सिंह का पाकिस्तान को दो टूक संदेश।

Publisher

Published on 29 May 2025

रक्षामंत्री बोले – पीओके भारत का हिस्सा था, है और रहेगा, वहां के लोग खुद लौटकर आएंगे।

नई दिल्ली (29 मई 2025): भारत के **रक्षामंत्री राजनाथ सिंह** ने गुरुवार को पाकिस्तान को एक बार फिर कड़ी चेतावनी दी है। उन्होंने स्पष्ट कहा कि पाकिस्तान द्वारा आतंकवाद को संरक्षण देने की नीति अब बहुत महंगी साबित हो रही है और इसका खामियाजा उसे भुगतना ही पड़ेगा।

अपने भाषण में **राजनाथ सिंह** ने **पाकिस्तान अधिकृत कश्मीर (POK)** का उल्लेख करते हुए कहा कि पीओके भारत का अभिन्न हिस्सा है और जल्द ही वहां के लोग स्वयं भारत का हिस्सा बनने की इच्छा जताएंगे।

“पीओके हमारा था, है और रहेगा” – राजनाथ सिंह

रक्षामंत्री ने कहा, “पीओके के लोगों को गुमराह किया गया है, लेकिन वे हमारे अपने हैं। मुझे पूरा विश्वास है कि एक दिन वे खुद कहेंगे – मैं भारत हूं, मैं वापस आया हूं।”

उन्होंने इस भावना की तुलना महाराणा प्रताप और उनके भाई शक्ति सिंह से की। सिंह ने कहा कि जैसे महाराणा प्रताप के छोटे भाई कुछ समय के लिए अलग हो गए थे लेकिन वे आखिरकार लौट आए, वैसे ही पीओके भी भारत से अलग नहीं रह पाएगा।

आतंक के मुद्दे पर समझौता नहीं होगा – सख्त रुख

राजनाथ सिंह ने कहा कि भारत अब किसी भी आतंकवादी गतिविधि को नजरअंदाज नहीं करेगा। उन्होंने पाकिस्तान को स्पष्ट

शब्दों में कहा: “अब बात सिर्फ आतंकवाद और पीओके पर होगी। पाकिस्तान को समझना होगा कि आतंक का समर्थन करना अब फायदे का सौदा नहीं रहा। भारत की सुरक्षा प्रणाली अब पहले से कहीं अधिक मजबूत हो चुकी है।”

एक भारत, श्रेष्ठ भारत की ओर बढ़ता देश

उन्होंने **प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी** के नेतृत्व की भी सराहना करते हुए कहा कि भारत अब “**एक भारत, श्रेष्ठ भारत**” के रास्ते पर तेजी से आगे बढ़ रहा है। सरकार की नीति स्पष्ट है – **देश की एकता और अखंडता से कोई समझौता नहीं किया जाएगा**।

ऐसी ही देश और दुनिया की बड़ी खबरों के लिए फॉलो करें: www.samacharwani.com

DISCLAIMER: the views/contents expressed/presented herein, within this advertorial and promotional feature are the sole and exclusive responsibility of individual clients/expert/their authorised representative/Publisher, to which effect, publication house/its representative/affiliates are not responsible/liable whatsover.